राष्ट्रीय स्टार्ट-अप दिवस (16 जनवरी) पर विशेष

लघुता से प्रभुता

रघुबर दत्त रिखाड़ी

स्टार्टअप क्या है? स्टार्टअप की कोई मानक परिभाषा नहीं है। साधारणतया साझेदारी या अस्थायी संगठन के रूप में शुरू किये गये उद्यम या नये व्यवसाय को स्टार्टअप कंपनी या स्टार्टअप कहते हैं। इसका मॉडल ऐसा होता है कि इसको दोहराया जा सके और जरूरत के अनुसार इसके स्तर को बढ़ाया या घटाया जा सके ताकि इसकी सभी खूबियों का इस्तेमाल हर स्तर पर हो सके, खास तौर से गुणवत्ता और लागत के मायने में। स्टार्टअप एक नव-स्थापित व्यवसाय है जिसके पीछे उद्देश्य होता है एक अनुमानित मांग के आधार पर किसी विशेष प्रकार की सेवा अथवा उत्पाद को, जो अभी तक अनुपलब्ध है, ग्राहकों को मुहैया कराना। इसके अंतर्गत नए किस्म की प्रौद्योगिकी का लाभ उठाते हुए जन सामान्य को बड़े पैमाने पर शीघ्र लाभ पहुंचाना, रोजगार के अवसर पैदा करना तथा अर्थव्यवस्था में किफायत के साथ वृद्धि करना आता है। पहले से उपलब्ध उत्पाद अथवा सेवा को नए ढंग से अधिक लाभकारी बनाते हुए प्रस्तुत करना भी स्टार्टअप की परिभाषा में आ सकता है। आमतौर पर स्टार्टअप लघु स्तर से शुरू होता है और सफलता प्राप्त करने पर बहुत जल्दी विराट स्वरूप ले लेता है।

स्टार्टअप के 5 मूल स्तंभ होते हैं : 1. दूरदर्शिता, 2. मूल्य (व्यावहारिक एवं नैतिक), 3. उत्पाद एवं इंजीनियरिंग, 4. प्रतिपुष्टि प्राप्त करने की व्यवस्था, तथा 5. लचीलापन।

स्टार्टअप के प्रकार

मोटे तौर पर स्टार्टअप 6 प्रकार के होते हैं :

• स्टार्टअप जिनके स्तर को विस्तारित किया जा सकता है

ऐसे स्टार्टअप अक्सर तकनीक अथवा प्रौद्योगिकी आधारित होते हैं। प्रौद्योगिकी आधारित कंपनियों में विस्तार की बहुत संभावना होती है; वे आसानी से पूरे विश्व में फैल सकती हैं। तकनीक आधारित स्टार्टअप को आसानी से निवेशकों का वित्तीय समर्थन मिल जाता है और वे अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के जाल के रूप में फैल जाते हैं। गूगल, उबर, फेसबुक और ट्विटर इसके उदाहरण हैं।

• लघु व्यवसाय के स्टार्टअप

ये साधारण व्यवसायियों द्वारा शुरू किए जाते हैं और आमतौर पर स्वयं-पोषित होते हैं। इनका विकास साधारण और क्रमिक होता है। यह किसी कम्प्यूटर या मोबाइल एप्लीकेशन पर आधारित नहीं होते। परंतु इनकी अपनी जानी पहचानी जगह होती है। ग्रॉसरी स्टोर, बाल संवारने वाले एवं ब्यूटी पार्लर इकाइयां, बेकरी तथा पर्यटन व्यवसाय के एजेंट इसके उदाहरण हो सकते हैं।

• जीवन शैली स्टार्टअप

कुछ लोग जो किसी विशिष्ट शौक या रुचि की प्रतिभा के धनी होते हैं खुद का काम शुरू कर देते हैं। जिस कार्य में इन्हें रुचि होती है यह उसी को अपना रोजगार बना लेते हैं। उदाहरण के लिए, नर्तक अथवा संगीतज्ञ ऑनलाइन ही स्वयं को आनंदित करते हुए अपना शिक्षण केंद्र चलाकर धन उपार्जन कर लेते हैं।

• बिक्री के लिए उपलब्ध स्टार्टअप

प्रौद्योगिकी तथा सॉफ्टवेयर उद्योग में कुछ लोग बिना किसी बड़ी लागत के स्टार्टअप तैयार कर लेते हैं। अक्सर देखा गया है कि कई निजी कंपनियां इन स्टार्टअप को अपने विकास के लिए अच्छा मूल्य देकर खरीद लेती हैं।

• बड़े व्यवसायों के स्टार्टअप

बड़ी कंपनियों का व्यवसाय अक्सर लंबे समय तक नहीं टिक पाता क्योंकि खरीदारों की पसंद, प्रौद्योगिकी और प्रतिद्वंदी समय के साथ बदलते रहते हैं। नई परिस्थितियों से निबटने के लिए यह बड़ी कंपनियां आधुनिक खरीदारों की रुचि के अनुसार नए उत्पादों को बाजार में उतारती हैं।

• सामाजिक स्टार्टअप

ऐसे स्टार्टअप भी होते हैं जिनका उद्देश्य मात्र धनोपार्जन नहीं होता। ये जरूरतमंदों की आवश्यकतानुसार मदद करने के लिए कार्य करते हैं। इसके अंतर्गत धर्मार्थ अथवा बिना लाभ लिए सेवा करने वाली संस्थाएं आती हैं। ये चंदे अथवा दान राशि से पोषित होते हैं।

सरकारें अक्सर प्रथम प्रकार के स्टार्टअप को बढ़ावा देने का प्रयत्न करती हैं क्योंकि इनमें रोजगार बढ़ने, आम आदमी को सुविधाएं मिलने तथा देश की तीव्र गति से आर्थिक तरक्की होने की संभावनाएं होती हैं। आमतौर पर ये स्टार्टअप कम्पनियां शुरुआत में लघु स्तर पर बनती हैं। संभावनाओं से भरी हुई इन छोटी-छोटी इकाइयों को यदि वित्तपोषण की सुविधाएं तथा अन्य प्रकार से सहायता दी जाए तो यह बड़ी तेजी से बड़ा आकार लेकर समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान कर सकती हैं। जब कोई कंपनी एक अरब अमेरिकी डॉलर के मूल्य को पार कर जाती है तो उसे 'यूनिकॉर्न' नाम से जाना जाता है।

लघुता को प्रभुता में परिवर्तित करने की इस शृंखला में भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों के अंतर्गत वर्तमान में कई नवाचारपोषी योजनाएं काम कर रही हैं। 'स्टार्टअप इंडिया' भारत सरकार की इन्हीं महत्वाकांक्षी योजनाओं में से एक है। इसका उद्देश्य युवा उद्यमी प्रतिभाओं के नवाचारी विचारों को मूर्त रूप देकर आगे बढ़ाना है। इस कार्यक्रम के महत्व को बल प्रदान करते हुए प्रधानमंत्री द्वारा 16 जनवरी की तिथि 'राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस' के रूप में घोषित की गई है।

भारत के स्टार्टअप कार्यक्रम की सफलता का एक नमूना 18 नवंबर, 2022 को दृष्टिगत हुआ। विश्व ने इसरो के श्रीहरिकोटा प्रक्षेपण स्थल से विक्रम-एस रॉकेट का सफल प्रक्षेपण देखा। यह देश के निजी क्षेत्र द्वारा अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के व्यवसाय में प्रथम सफल प्रयास था। इसका निर्माण हैदराबाद आधारित स्टार्टअप स्काईरूट एयरोस्पेस द्वारा किया गया। विक्रम-एस ने तीन लघु उपग्रहों को अंतरिक्ष में प्रक्षेपित किया जिनमें से एक विदेश से है। स्काईरूट एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड मात्र 4 वर्ष पुराना स्टार्टअप है। इस सफलता को अंतरिक्ष व्यवसाय के क्षेत्र में भारत के प्रवेश की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है। स्टार्टअप इंडिया कार्यक्रम की यह एक शानदार सफलता है।

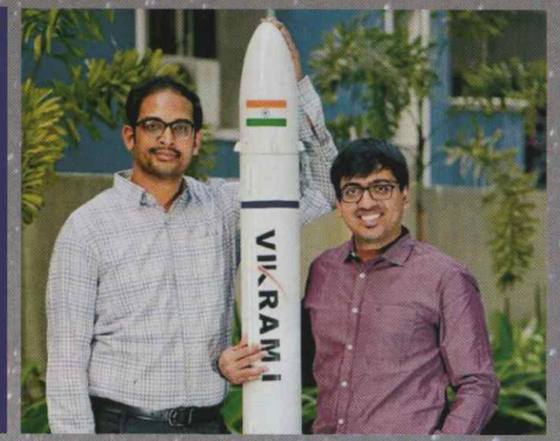

स्टार्टअप इंडिया कार्यक्रम भारत सरकार के उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी), वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत परिचालित होता है। इस महत्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य देश में स्टार्टअप और नये विचारों के लिए एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना है जिससे देश का आर्थिक विकास तेजी से हो सके और बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर उत्पन्न हों। विकास की गति को तीव्रता प्रदान करने वाली इस ऊर्जादायिनी छतरी के अंतर्गत रोजगार, नए उद्योग के लिए वित्त पोषण सहायता, मार्गदर्शन और उद्योग में भागीदारी के अवसर प्रशस्त होंगे।

स्टार्टअप पुरस्कार

राष्ट्रीय स्टार्टअप पुरस्कार योजना के अंतर्गत ऐसी इकाइयों को प्रतिवर्ष पुरस्कृत किया जाता है जो नवाचारी उत्पाद अथवा सेवाएं प्रदान कर रही हैं और जिनमें रोजगार पैदा करने तथा संपदा सृजन की संभावनाएं दृष्टिगत होती हैं। 2021 के राष्ट्रीय स्टार्टअप पुरस्कारों के अंतर्गत 46 स्टार्टअप को पुरस्कृत किया गया। पुरस्कारों का चयन 6 प्रमुख प्राचलों (पैरामीटर) के आधार पर किया जाता है, जो इस प्रकार हैं: नवाचारिता, स्तर बदलाव की योग्यता (स्केलेबिलिटी), आर्थिक प्रभाव, सामाजिक प्रभाव, पर्यावरणीय प्रभाव, समावेशिकता एवं विविधता। यह पुरस्कार 50 कार्य क्षेत्रों में दिए जाते हैं जिनको 17 प्रमुख शाखाओं में विभाजित किया गया है।

हाल में मिली सफलतायें यह इंगित करती हैं कि स्टार्टअप रोजगार दिलाने तथा देश को द्रुतगति से विकसित करके विश्व पटल पर आर्थिक शक्ति के रूप में स्थापित करने में अपना बहुमूल्य योगदान प्रदान करेंगे। राष्ट्रीय स्टार्टअप पुरस्कार प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए 'startupindia.gov.in' पर आवेदन करें।

श्री रघुबर दत्त रिखाड़ी
14 ई, पॉकेट-1, मयूर विहार, दिल्ली 110091
[ई-मेलः rd.rikhari@gmail.com]